मानव के समग्र विकास को सीखें 'खेल' खेल में

ओलंपिक डे सेलिब्रेशन्स पर स्पोर्ट्स रिट्रीट का आयोजन

-चैम्पियन बनने के लिए होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ पर्सनालिटी ज़रूरी -डॉ. गुरदीप सिंह
- सदा सीखने की भावना ही आगे बढ़ाती है - डॉ. सुनीता गोदारा
- कार्य के प्रति प्रेम, सम्मान एवं सच्चे समर्पण भाव से मिलती है सफलता - ब्र.कु. आशा

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। भगवान ने हमारे अंदर सारी कलाएं दी हैं, लेकिन उनका सही उपयोग हम तभी कर सकते हैं जब हमारा मन शान्त और एकाग्र हो। किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए एक परसेंट इंस्पिरेशन और 99 परसेंट परस्पिरेशन आवश्यक है। उक्त् उद्गार ओ.आर.सी. में ओलंपिक डे सेलिब्रेशन्स के अवसर पर स्पोर्ट्स पर्सन्स के लिए `सस्टेनिंग एक्सीलेंस' विषय पर आयोजित दो दिवसीय रिट्रीट में एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटीज़ के सचिव डॉ. गुरदीप सिंह ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि चैम्पियन बनने के लिए होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ पर्सनालिटी बहुत ज़रूरी है। शरीर के साथ-साथ हमें मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर भी चुस्त-दुरूस्त रहना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में हम अपने को तभी संतुलित रख सकते हैं जब हमारा मनोबल ऊँचा हो, जोकि राजयोग से ही संभव है।

एशियन मैराथन चैम्पियन डॉ. सुनीता गोदारा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में जो राजयोग सिखाया जाता है, वो हमें

मानसिक स्तर पर बहुत सकारात्मक बनाता है जिससे हमारे शरीर में भी वो ऊर्जा कार्य करने लग जाती है।

ओ.आर.सी.की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम जो भी कार्य करें उसे समर्पण भाव के साथ करें। किसी भी कार्य के प्रति प्रेम और सम्मान भाव हमें स्वतः ही सफलता की ओर ले जाता है।

ब्रह्माकुमारीज़ खेल प्रभाग माउण्ट आबू के संयोजक ब्र.कु. जगबीर ने कहा कि वर्तमान समय संस्था के द्वारा स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अद्वितीय सेवायें हो रही हैं। मैं समय प्रति समय कई खेल अकादमियों में जाता रहता हूँ जहां पर मेडिटेशन के लिए हम माइंड बॉडी ट्रेनिंग देते हैं। उन्होंने बताया कि राजयोग के द्वारा अनेक खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उत्कृष्टता आई है।

एशियन गेम्स में दो बार स्वर्ण पदक विजेता हरीशचन्द्र ने कहा कि मैं 25 वर्षों से निरंतर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। अगर हमें अच्छा स्पोर्ट्स पर्सन बनना है तो जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाना होगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों सहित 250 से भी अधिक स्पोर्ट्स पर्सन्स ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. हुसैन बहन ने किया।

नैतिक व मौलिक मानवीय संस्कार ही श्रेष्ठ समाज का आधार

ज्ञानसरोवर। समाज सेवा में कई प्रकार की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन सच्चा समाजसेवक उनसे प्रभावित न होकर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ने में अग्रसर रहता है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में संगरूर पंजाब के पूर्व सांसद विजयइंद्र सिंघला ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अध्यात्म के साथ की गई समाज सेवा से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना जागृत होती है। ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रत्नमोहिनी ने कहा कि समाज को बेहतर बनाने में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन सामाजिक सेवाओं के सिद्धान्तों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करना चाहिए।

कर्नाटक रायचुर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड साइंस के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वी. पाटील ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन बिना किसी भेदभाव के विश्व स्तर पर आध्यात्मिक कार्यक्रमों के ज़रिए मानवीय चरित्र के उत्थान में तत्पर है। संगठन के कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप लाखों लोग अपने जीवन को गुणों से सुगंधित बनाकर समाज को नई राह दिखा रहे हैं।

प्रभाग उपाध्यक्ष ब्र.कु. अमीरचंद ने कहा कि बेहतर विश्व की रचना भाषणों से नहीं बल्कि समत्व, ममत्व व अपनत्व के आधार से होती है।

राष्ट्रीय संयोजक प्रेम सिंह ने कहा कि मनुष्य के अंदर छिपे देवत्व को फिर से जागृत करने की सेवा में निरंतर प्रयासरत रहना किसी साधना से कम नहीं है। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. अवतार ने कहा कि समाज सेवा में बाधक बनने वाले कड़े संस्कारों को राजयोग के ज़रिए परिवर्तन कर सुधारा जा सकता है। प्रभाग अधिशासी सदस्य ब्र.कु. सीता ने कार्यक्रम में मौजूद समाजसेवकों को राजयोग का अभ्यास कराया।

कृषकों के मन रूपी खेत को देनी है राजयोग की खाद

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। भारत सोने की चिड़िया था। उसे वापिस लाने के लिए आपस में एकता रखकर, एकमत होकर अगर स्वर्णिम बनाने का संकल्प कर लें तो अपना देश वैसा फिर से बन जाएगा। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा त्रिदिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रत्नमोहिनी ने व्यक्त किये।

बुलंदशहर के सांसद डॉ. भोला सिंह ने कहा कि यह एक अति उत्तम शुरुआत हुई है इस संस्था के द्वारा। किसानों के हित में कुछ करने से पूरे देश में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि किसान अनेक समस्याओं से ग्रस्त है। हमारे प्रधानमंत्री जी किसानों के हित के लिए अनेक योजनाएं लेकर आए हैं। एक किसान चैनल भी अस्तित्व में आया है, जो किसानों के विकास में मददगार साबित होगा।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला ने कहा कि कृषक हमारे देश की आत्मा हैं। एक बार फिर से इसको सशक्त बनाना है तो इसकी आत्मा को मज़बूत बनाना होगा। गाँव के साथ साथ कृषकों एवं सबका मन स्वच्छ बनाना होगा। आध्यात्मिकता के बल से ही ऐसा होगा। हर प्रकार की स्वच्छता ही आधार है सम्पन्नता का। खेती को स्वच्छ विचारों की सहायता से उत्तम बनाने का प्रयोग ब्रह्माकुमारीज़ के साथ साथ अनेक कृषि विश्वविद्यालयों ने भी अपनाया है और सफलता पाई है।

युवा प्रभाग की वरिष्ठ सदस्या ब्र.कु. जागृति ने कहा कि स्वच्छता में ही प्रभुता है। स्थूल से लेकर सूक्ष्म तक की स्वच्छता ही भारत को एक बार फिर से इसका खोया हुआ गौरव वापस दिलायेगा। उसके लिए आध्यात्मिकता की लुप्त कड़ी को अपनाने से ही सफलता प्राप्त होगी।

नाबार्ड की सी.जी.एम. पद्मा रघुनाथ ने कहा कि भारत का किसान आज

ग्राम विकास प्रभाग द्वारा त्रि-दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन

विपदा की स्थिति में है। नाबार्ड किसानों के हितों के लिए अनेक काम करता आया है। यहां हम ग्रामविकास के तरीकों के साथ साथ आध्यात्मिकता भी सीखते हैं।

नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर सीड,अजमेर के डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन सामयिक है। आज किसानों के हित की चिंता करने वाले कम लोग हैं, ऐसे में ये संस्था इतना सुंदर काम कर रही है जोकि वे धन्यवाद के पात्र हैं।

ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए आज 4 सत्ताओं की ज़रूरत है। वे चार सत्ताएं हैं, विज्ञान सत्ता, राज्य सत्ता, धर्म सत्ता और श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता। पहली तीन सत्ताएं तो अपना काम कर रही हैं मगर जो चौथी सत्ता है उसकी क्रियाशीलता के लिए आध्यात्मिकताअपनानाहोगा।

कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. शारदा ने किया एवं ब्र.कु. राजेन्द्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी, ब्र.कु. शारदा, ब्र.कु. सरला, ब्र.कु. राजू व अतिथिगण।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 14th July 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।